



UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI, NAINITAL

The report should be sent (in the sealed envelope) to the Exam Controller, Uttarakhand Open University, Teen pani Bypass Road, Haldwani (Nainital) -263 139.

UOU/Research/Sanskrit/23/03

DATE: 14.03.2023

PROFORMA FOR THE WRITING Ph. D. THESIS REPORT

- 5- Name of the Candidate Sri Rakesh Chandra Gurwant, Registration No. 12025602
- 6- Subject: Sanskrit

7- Name of the Doctorate Degree: Ph. D.

8- Title of thesis: " श्रीमद्भागवत महापुराण के एकादश एवं द्वादश स्कन्धों का सांस्कृतिक अनुशीलन"

Name of the examiner with full postal address Professor Brajesh Kumar Pandey, The School of Sanskrit and Indic Studies Jawaharlal Nehru University, New Delhi-110067

Note - Under the ordinance relating to Doctorate Degree a thesis shall comply with the following conditions and the examiners are requested that in case they approve of a thesis for the degree, is should be definitely mentioned in the report that the thesis complies with these requirements.

(c) It must be a piece of research work characterized either by the discovery of facts or by a fresh approach towards the interpretation of facts or theories. In either case it should evince the candidate's capacity for

(d) It shall be satisfactory in point of language and presentation of subject matter. The examiners will also indicate whether the thesis is suitable for publication in its present form with or without amendments.

IMPORTANT

The Examiner is requested to recommend definitely weather.

(d) The candidate is admitted to the degree.

 χ (e) The candidate should improve and resubmit the thesis.

(f) The thesis should be rejected.

उपर्मुत शोध प्रवाप का आसीपांत परीक्षण किसा। शोधाधी धी रावेशाचन गुणनंत ने शोधानिधि का सम्मक परियालन करते हुए प्राथमिक एनं पूरक सामित्रमां का भधाविष्य प्रमीग किमा है। शोधसामग्री के संभोजन एनं संकलन में शोधाधी का प्रमूत भूम

Dated 01 05 2023

(Signature of the Examiner)

(If necessary blank sheets may be added to complete the report)

em 25/05/23

परिलिश्ति होता है। दः अध्याणे में निस्मत शोप प्रमू (fo) का प्रमम प्रध्यम पुराणों के लझण, परिचम एक उनके सांस्कृतिक नेपरेग्व्य पर आपूत हैं। कितीय अध्याम में भीमहभागकः में भोग के विविध पद्यों का निरंपण है। तृतीय अध्यम अरुणाय, पञ्च-महायम एनं पुरुषार्ध चतुरुद्म, पर केन्द्रिम हैं भी चतुर्ध अत्याम में ठाउरा क्ल्य में व्यात्नात धर्म तल्ला विरत्तेषण है। प्रमाम अध्याम अध्यातम एवं मूत्म निरुपणा करता है। अंत्रिम वष्ट भएभाप शोधानिष्वर्ष प्रस्तुत कर्ता है। थीमर्भागवन महापुराण बहुप्रशिक , सर्वलोक् निवार्ष रमं शर्वकातिक ग्रंपरल हे जिसपर अनेक बोपकामी की पैक्ति अन्तर्थ है । आलीन्य शोप अंग्रें एकादश एक क्षादरा कल्यों का लंहकृतिक अनुशीमन प्रस्तुत कला है। शीपामी रे तिनपूर्वक शोपकार्न संपन किया है जिसमें उसकी शोध हिट परिलिमत होती 21 अोपप्रकंग हैरायात अमुहिमों के परिमार्ननपुरस्तर प्रक्रपान घोष्य है। परीक्ष्णीपरांत में बोधार्मी जी राकेराचन्त्र गुणनन को पीएम भी उपाध प्रदान करने की दृद वस्तुनि कता हूँ।

Jun 25/02/23

25 05 23

2/-

of Pandey

Meaning Meaning

Stroke Studies

Here Studies



The report should be sent (in the sealed envelope) to the Exam Controller, Uttarakhand Open University, Teen pani Bypass Road, Haldwani (Nainital), 262, 120

Bypass Road, Haldwani (Nainital) -263 139.

DATE: 14.03.2023

UOU/Research/Sanskrit/23/03

PROFORMA FOR THE WRITING Ph. D. THESIS REPORT

1- Name of the Candidate Sri Rakesh Chandra Gurwant, Registration No. 12025602

2- Subject: Sanskrit

3- Name of the Doctorate Degree: Ph. D.

4- Title of thesis : " श्रीमद्भागवत महापुराण के एकादश एवं द्वादश स्कन्धों का सांस्कृतिक अनुशीलन "

5. Name of the examiner with full postal address Professor Kamla Chauhan, HNB Garhwal Universit Srinagar,

Note - Under the ordinance relating to Doctorate Degree a thesis shall comply with the following conditions and the examiners are requested that in case they approve of a thesis for the degree, is should be definitely mentioned in the report that the thesis complies with these requirements.

(a) It must be a piece of research work characterized either by the discovery of facts or by a fresh approach towards the interpretation of facts or theories. In either case it should evince the candidate's capacity for critical examination and sound judgment.

(b) It shall be satisfactory in point of language and presentation of subject matter. The examiners will also indicate whether the thesis is suitable for publication in its present form with or without amendments.

IMPORTANT

The Examiner is requested to recommend definitely weather.

1 (a) The candidate is admitted to the degree.

(b) The candidate should improve and resubmit the thesis. Or

(c) The thesis should be rejected.

शोधन्दात्र राकेश चन्द्र गुणवनम द्वारा उत्तराखण्ड मुला विश्वविद्यालय हल्द्वानी नीनीमल मानविकी विद्याशास्त्र के सैस्कृत विषय में पी-एच डी • उपादि प्रस्ता शोधा-प्रबन्ध भीमदमाग्वत महापुराठा के स्कादश सूर्व द्वादश स्कन्धां का मास्कृतिक अनुशीलन "शोधापी द्वारा किया गया निमान्त भी लिक कार्य है। शोधापी ने अपने सम्पूर्ण शोध-प्रबन्ध को है: अध्यायों में विभाजित किया में विभिन्त पूरानी का परिचय एवं पूरान के स्वरूप पर चर्ची की गयी अध्याप में हमन्ध्रय में भागतन्त मी विशद व्यारव्या, त्रीय अध्याप में वर्गात्र Dated 29....3...2.0.2.3.... (Signature of the Examiner)

(If necessary blank sheets may be added to complete the report)

से सम्बन्धित तत्वों की समीक्षा, न्यूष अध्याम में धर्म तत्व, पञ्चम के अध्यातम तत्व का भीगद्भागवत पुराण के आधार पर विवेचन करते हुने घष्क अध्याप में शोध विषय के निष्मं की मारक्षप में अपस्थापित किया गमा है, शोध-प्रबन्ध में विश्वविद्यालय अनुवान मामीग के प्रावधानों के अनुकाप शोध पत्र एवं शोध संगोष्ठी का प्रमाणपत्र भी शोधाष्ट्री द्वारा लगाया गमा है, शोधाष्ट्री का शोध प्रवन्ध प्रजाहान थी। भी शोधाष्ट्री द्वारा लगाया गमा है, शोधाष्ट्री का शोध प्रवन्ध प्रजाहान

अतः में श्रीधाधी राक्षेश चन्द्र मुणवन्त के उज्जवन भविष्य भी कामना करते हुमे श्रीधाधी की उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा पी-एच ही उपाद्यि प्रदान किसे जॉन की सबल संस्तृति प्रदान करती हूं।

29-3.2023

Jen 25/05/23